भाखर ऑर्गेनिक फार्म जानपालिया पर तबीजी अजमेर द्वारा में जीरा फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

भगवाना राम सोनगरा
सबसिटी सुपरफास्ट

गुड़ामालानी। राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी अजमेर एव डीबीटी साउथ एशिया बायोटेक्नोलॉजी सेंटर जोधपुर के संयुक्ततत्वाधान में जीरा फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुमेर सिंह मीणा ने सभी किसानों का स्वागत करते हुए बताया कि जीरा एक मसाला फसल है! उन्होंने कहा कि जीरे के साथ-साथ अजवाइन, धनिया, सोफ इत्यादि मसाला किसानों की फसलों की किसान खेती करते हैं, लेकिन बाड़मेर जिला जीरा फसल के लिए सर्वोत्तम उपयुक्त

वार्ताअनुकूल है तथा यहां के किसान जीरे की जीसी 4 किस्म का बीज प्रयोग कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं! इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र गुडामालानी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ बीएल मीणा ने सभी किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को उन्नत बीज और नई नवाचार तकनीकों का प्रयोग कर अपने आमदनी को बढ़ा सकते हैं तथा इसके साथ-साथ किसानों को प्राकृतिक खेती और जैविक खेती पर भी वर्तमान समय में ध्यान देना चाहिए तथा उन्होंने मिलेट वर्ष के उपलक्ष में विभिन्न बाजरा उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी! डा.शिवलाल जी वरिष्ट वैज्ञानिक ने किसानों को जीरा और अन्य फसलों के अंदर लगने वाली विभिन्न बीमारियों और उनके प्रबंधन के बारे में बताया डॉ. मुरलीधर मीणा वैज्ञानिक ने किसानों को अपने बीज का प्रसंस्करण कर उनके बाजारीकरण पर ध्यान देना चाहिए और किसानों को जीरा को सरकारी मंडी में ऊचे दाम में उच्च गुणवत्ता युक्त बीज को बेचना चाहिए जिससे उनको और अधिक मुनाफा मिल सके! डॉ. बाबूलाल जाट ने जीरे की विभिन्न फसलों और बीज उपचार के बारे में बताया इस दौरान डॉ. रावताराम भाखर ने क्षेत्र के होने वाली विभिन्न पशुओं के स्वास्थ्य और देखभाल पर अपने विचार व्यक्त किए इस दौरान जानपालिया ग्राम के पूर्व सरपंच मौलवी एकरामदीन दर्श, वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि बहादुर खान ने भी विचार व्यक्त किए, इस दौरान श्रीमान भागीरथ जी एपीओ एवं जैविक खेती के बारे में राजाराम जी छगनलाल जी गोयल इत्यादि ने विचार व्यक्त किए और जानपालिया गांव के प्रगतिशील किसान बालाराम भाकर, चीमा राम चबरवाल अर्जुन राम भील, चिन्नू राम, काना राम भील, इत्यादि उपस्थित रहे! इस कार्यक्रम के दौरान भाखर ऑर्गेनिक एग्रो केयर की तरफ से श्री हरिराम भाकर ने आए हुए सभी किसानों और महिलाओं, वैज्ञानिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया!

जीरा पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

उन्नत बीज-तकनीक से बढ़ाएं आमदनी

बाड़मेर। राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी अजमेर और डीबीटी साउथ एशिया बायोटेक्नोलॉजी सेंटर जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में जलपानियां गांव में जीरा फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। तबीजी के प्रधान वैज्ञानिक डा. सुमेर सिंह मीणा ने कहा कि बाड़मेर में पैदा होने वाले जीरे की गुणवत्ता बेजोड़ है। किसान जैविक जीरे का उत्पादन लेकर अपनी आजीविका बढ़ा सकते है। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ बीएल मीणा ने कहा कि उन्नत बीज और नई नवाचार तकनीकों का प्रयोग करके फसल का अशातीत उत्पादन ले सकते है। उन्होंने किसानों का जैविक-प्राकृतिक खेती और मोटे अनाज की उपयोगिता के बारे में बताया। कार्यक्रम में डॉ. बाबूलाल जाट ने जीरा फसल का विपणन और डॉ. रावताराम ने पशुधन स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में जानकारी दी।

तबीजी अजमेर द्वारा जानपालिया गांव में कृषि आदनों का वितरण कार्यक्रम का आयोजन

सच मीडिया

भगवानाराम सोनगरा

गुड़ामालानी राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी अजमेर के द्वारा कृषि आदनों का वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के डा. शिव कुमार जी ने किसानों को अनुसूचित जाति उप योजन के अंतर्गत कृषि आदनो वितरण कर किसानो को इनके उपयोग के बारे में बताया! उन्होंने बताया कि किसान इनका अपने फसलों के बचाव एवं उपचार हेतु इनका सदुपयोग कर सकेंगे जिससे इनकी आजीविका में वृद्धि हो! प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुमेर सिंह मीणा ने सभी किसानों

को जीरा की फसल को फसल चक्र में अपनाने के लिए कहा! बाड़मेर जिला जीरा लिए सर्वोत्तम उपयुक्त वार्ताअनुकूल है तथा यहां के किसान जीरे की जीसी 4 किस्म का बीज प्रयोग कर अधिक मुनाफा कमा सकते है! इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र गुड़ामालानी के डॉ. बी.एल मीणा ने सभी किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को जैविक पर भी वर्तमान समय में ध्यान देना चाहिए तथा उन्होंने मिलेट वर्ष के उपलक्ष में विभिन्न बाजरा उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी!

डॉ.बाबूलाल जाट , डा. मुरलीधार मीणा ने ने जीरे की विभिन्न फसलों और बीज उपचार के बारे में बताया इस दौरान डॉ. रावताराम भाखर ने नेपियर घास, एजोला, वर्मिकमपोस्ट, बीजामार्ट पर विचार व्यक्त किए! इस दौरान जानपालिया ग्राम के पूर्व सरपंच मौलवी एकरामदीन दर्श, वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि बहादुर खान ने भी विचार व्यक्त किए, इस दौरान श्रीमान भागीरथ जी एपीओ एवं जैविक खेती के बारे में राजाराम जी छगनलाल जी गोयल जैविक खेती और वर्षारोपण लगाने इत्यादि ने विचार व्यक्त किए और जानपालिया के सरायों का तला और सारला गांव के पू ऊका राम, सतराम मेघवाल, खानू राम, महेंद्र , किसान सहित बालाराम भाकर, कृषि विभाग से भरत कुमार , इत्यादि उपस्थित रहे! इस दौरान अनुसूचित जाति के किसानो को फसल में छिड़काव हेतु स्प्रेयर मशीन और वर्षा से बचाव हेतु तिरपाल भी वितरीत किए गए! इस कार्यक्रम के दौरान भाखर ऑर्गेनिक एग्रो केयर की तरफ से श्री हरिराम भाकर ने आए हुए सभी किसानों और महिलाओं, वैज्ञानिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया!

तबीजी अजमेर द्वारा जानपालिया गांव में कृषि आदनों का वितरण कार्यक्रम का आयोजन

सबसिटी सुपरफास्ट
भगवानाराम सोनगरा

गुड़ामालानी। राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी अजमेर के द्वारा कृषि आदनों का वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के डा. शिव कुमार जी ने किसानों को अनुसूचित जाति उप योजन के अंतर्गत कृषि आदनो वितरण कर किसानो को इनके उपयोग के बारे में बताया! उन्होंने बताया कि किसान इनका अपने फसलों के बचाव एवं उपचार हेतु इनका सदुपयोग कर सकेंगे जिससे इनकी आजीविका में वृद्धि हो! प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुमेर सिंह मीणा ने सभी किसानों को जीरा की फसल को फसल चक्र में अपनाने के लिए कहा! बाड़मेर जिला जीरा लिए सर्वोत्तम उपयुक्त वार्ताअनुकूल है तथा यहां के किसान जीरे की जीसी 4 किस्म का बीज प्रयोग कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं! इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र गुडामालानी के डॉ. बी.एल मीणा ने सभी किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को जैविक पर भी वर्तमान समय में ध्यान देना चाहिए तथा उन्होंने मिलेट वर्ष के उपलक्ष में विभिन्न बाजरा उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी! डॉ.बाबूलाल जाट , डा. मुरलीधार मीणा ने ने जीरे

की विभिन्न फसलों और बीज उपचार के बारे में बताया इस दौरान डॉ. रावताराम भाखर ने नेपियर घास, एजोला, वर्मिकमपोस्ट, बीजामार्ट पर विचार व्यक्त किए! इस दौरान जानपालिया ग्राम के पूर्व सरपंच मौलवी एकरामदीन दर्श, वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि बहादुर खान ने भी विचार व्यक्त किए, इस दौरान श्रीमान भागीरथ जी एपीओ एवं जैविक खेती के बारे में राजाराम जी छगनलाल जी गोयल जैविक खेती और वर्षारोपण लगाने इत्यादि ने विचार व्यक्त किए और जानपालिया के सरायों का तला और सारला गांव के पू ऊका राम, सतराम मेघवाल, खानू राम, महेंद्र , किसान सहित बालाराम भाकर, कृषि विभाग से भरत कुमार , इत्यादि उपस्थित रहे! इस दौरान अनुसूचित जाति के किसानो को फसल में छिड़काव हेतु स्प्रेयर मशीन और वर्षा से बचाव हेतु तिरपाल भी वितरीत किए गए! इस कार्यक्रम के दौरान भाखर ऑर्गेनिक एग्रो केयर की तरफ से श्री हरिराम भाकर ने आए हुए सभी किसानों और महिलाओं, वैज्ञानिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

SOUTH ASIA
राष्ट्रीय बिजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र
तबीजी अजमेर
आपका हार्दिक
स्वागत एवं अभिनन्दन करता है।
जीरा फसल प्रक्षेत्र एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम
Field Day Cum Training Programme
" Promoting GAP & IPM in Cumin "

GAP & IPM in Cumin"
Thrusday, 2nd March, 2023